पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Issue #2

August 2005 - February 2006

President's address

Dear Paryavaran Mitra,

It is indeed heartening that the enthusiasm and drive which saw the launch of Paryavaran Mitra on 24th Sept 2004, has powered its first landmark year. The following pages present a glimpse of Paryavaran Mitra activities on it's first anniversary. Even the dealers' conference in Switzerland pitched in to commemorate the day.

I have just returned from a holiday in New Zealand. The people are warm, friendly and happy. I am convinced that this has more to do with living in a state of perpetual greenery and cleanliness. It's real fortune is its people who believe they are responsible for keeping their country clean, green and beautiful. I said so in my interview there on the local Indian radio channel *Tarana* where I also talked about Paryavaran Mitra. Shekhar and I were featured in a leading daily newspaper, Dominion Post, where we again got an opportunity to talk to Indian Diaspora about our environmental pursuits.

We are pleased to launch our website, www.paryavaranmitra.com on 2nd February 2006. Our members can now get regular information of our activities. We look forward to your visit to the website, your valued suggestions, comments and inputs.

Small steps we initiated a year back towards making environment around us better are generating great enthusiasm and encouragement propelling the Paryavaran Mitra Parivars to start taking long strides towards our goal. I assure you of my complete support in this journey that we have set out on together.

Kiran Bajaj

पत्रं पुष्पं फलं तोयं
यो मे भक्त्या प्रयच्छति ।
तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि
प्रयतात्मन: ।।

भगवद्गीता - ९-२६

O, Arjuna! Anyone who offers me leaf, flower, fruit or water with devotion, I lovingly accept these selfless offerings.

Bhagwadgita - 9-26

Plastics - No, No. Jute - Yes, Yes

अध्यक्ष का वक्तव्य

प्रिय पर्यावरण मित्र,

बड़े हर्ष की बात है कि जिस उत्साह और मनोभावना के साथ २४ सितम्बर, २००४ को पर्यावरण मित्र का शुभारंभ हुआ था, उसी उत्साह के साथ इसने अपना पहला महत्त्वपूर्ण वर्ष पूरा किया है. अगले पन्नों में प्रस्तुत है, पहली वर्षगांठ पर, पर्यावरण मित्र की गतिविधियों की एक झलक ! यहां तक कि स्विट्ज़रलैंड में हो रही एक डीलर्स कांफ्रेंस में भी इस शुभ दिन को मनाया गया.

मैं हाल ही में न्यूज़ीलैंड से छुट्टियां बिताकर लौटी हूं. वहां के लोग मिलनसार,दोस्ताना स्वभाव के तथा ख़ुश रहते हैं. मैं समझती हूं कि इसका अधिक श्रेय वहां की हरियाली और स्वच्छता के बीच बिताए जीवन को जाता है. उस धरती को असीमित प्राकृतिक सौंदर्य का वरदान मिला हुआ है; लेकिन उस धरती का असली सौभाग्य है वहां के लोग जो अपने देश को साफ़, हरा–भरा तथा सुन्दर बनाने की ज़िम्मेदारी निभाने में विश्वास रखते हैं. यही बात मैने वहां के स्थानीय भारतीय रेडियो चैनल 'तराना' पर एक भेंट वार्ता में कही थी जिसमें मैंने पर्यावरण मित्र का भी ज़िक्र किया था. एक स्थानीय समाचार पत्र 'डोमीनियन पोस्ट' में शेखर और मेरे बारे में लिखा भी गया. वहीं हमें एक बार फिर से भारतीय मूल के लोगों के साथ हमारी पर्यावरण संबंधी गतिविधियों पर बातचीत करने का मौका मिला.

हमें बहुत संतोष है कि २ फ़रवरी, २००६ को हमने अपनी वेबसाइट www.paryavaranmitra.com भी प्रारंभ की. हमारे सदस्य अब हमारी गतिविधियों की लगातार जानकारी पा सकते हैं. आप इस वेबसाइट को ज़रूर देखें. आपके कीमती सुझावों, टिप्पणियों का हमें इंतज़ार रहेगा.

एक साल पहले अपने आसपास के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए, हमने कुछ छोटे–छोटे क़दम उठाए थे. आज हमारे पर्यावरण मित्र परिवारों में इस लक्ष्य की ओर लम्बी छलांग लगाने के लिए निरंतर उत्साह तथा शक्ति दिखाई दे रही है. हम सभी ने साथ मिलकर जो यात्रा प्रारंभ की है उसमें अपना भरपूर सहयोग देने का मैं संपूर्ण विश्वास दिलाती हूं.

किरण बजाज

First Anniversary Celebrations

Paryavaran Mitra Celebrates first Anniversary: 24th September 2005

Paryavaran Mitra celebrated its first anniversary at a function well attended by members and environment enthusiasts in Mumbai. Deputy Municipal Commissioner, Shri Chandrakant Rokde was the Chief Guest. President, Smt. Kiran Bajaj chaired the function.

The event started with rendition of shlokas by Smt. Swarnalatha Ramakrishnan, which embodied the spirit and meaning of Paryavaran Mitra.

Smt. Kiran Bajaj in her address gave a vivid account of as to how she perceived the idea of Paryavaran Mitra. She said that as children we were advised not to pluck flowers and leaves, not to hurt trees, and protect nature. "If nature is so beautiful, when all the creation of art, poetry, music and even festivals and customs revolve around nature, our mental and physical health is built on good environment, then why have we abused nature so brutally? Why, in the name of modernization, productivity and growth, we have lost our health, happiness, basic nature of compassion and love for nature?" she asked.

She made a pointed reference to our rights, as citizens, to breathe fresh air, eat clean food, drink clean water and to live in a hygienic environment. She realized that though each of us has a desire and right to live in a pollution-free environment, we have not really comprehended where to make a start. Through PM, we aim to provide a platform for every individual to interact and seek solutions. PM is for the people and by the people. Its aim is to create awareness and generate commitment.

Smt. Bajaj then made an interesting Power Point presentation with visuals and took the audience through the journey of activities & happenings during last one year.

Deputy Municipal commissioner Chandrakant Rokde, in his keynote address, appreciated the passion and spirit of Kiran Bajaj and her devotion to environment enrichment. "For anchoring this we have to do a lot and reverse a lot. The world including India is in an extreme situation of 'no water' or 'too much of water'; extreme summer to extreme cold and changing season cycles. Disasters will happen if immediate actions to preserve nature are not taken", he averred.

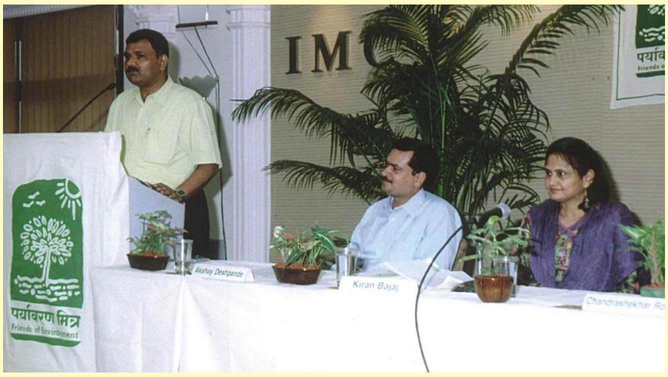

Chief guest Chandrakant Rokde delivering the keynote address.
मुख्य अतिथि चंद्रकांत रोकड़े भाषण देते हुए

प्रथम वर्षगांठ समारोह

पर्यावरण मित्र ने मनाई अपनी पहली वर्षगांठ : २४ सितम्बर, २००५

पर्यावरण मित्र ने मुंबई में अपने सदस्यों तथा उत्साही पर्यावरण मित्रों की भरपूर उपस्थिति में अपनी पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनाई. डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर, श्री चंद्रकांत रोकड़े मुख्य अतिथि थे. अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज ने समारोह की अध्यक्षता की.

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती स्वर्णलता रामकृष्णन द्वारा श्लोक उच्चारण से हुआ जो अपने आप में पर्यावरण मित्र की आत्मा तथा अर्थ संजोए हुए था.

श्रीमती किरण बजाज ने अपने भाषण में विस्तृत रूप से बताया कि किस तरह उन्होंने पर्यावरण मित्र की कल्पना की. उन्होंने बचपन की शिक्षा याद दिलाई कि किस तरह फूल, पत्तियां तोड़ना ठीक नहीं था, वृक्षों को नहीं सताना आदि; बल्कि प्रकृति की सुरक्षा करने को भी कहा जाता था. उन्होंने प्रश्न किया, ''यदि कुदरत इतनी ही ख़ूबसूरत है कि कला, काव्य, संगीत यहां तक कि उत्सव और परंपराएं भी उसके ही चारों और घूमती हैं, हमारा शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छे वातावरण पर ही निर्भर करता है तो फिर हम इतनी निर्दयता से प्रकृति को क्यों नष्ट करते हैं ? आधुनिकता,उत्पादन, विकास के नाम पर क्यों हमने अपना स्वास्थ्य, आनन्द, करुणा का मूल स्वभाव तथा प्रकृति-प्रेम, सबकुछ खो दिया है ?''

उन्होंने विशेष रूप से बताया कि नागरिकों के नाते खुली हवा, शुद्ध खाना, स्वच्छ पानी तथा निरोगी वातावरण हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है. उन्होंने महसूस किया कि यों तो हम सभी की इच्छा और अधिकार है कि हम प्रदूषण मुक्त स्वच्छ वातावरण में जिएं. किन्तु हम ठीक से समझ नहीं पाते कि शुरूआत कहां से की जाए ! पर्यावरण मित्र के माध्यम से हम हर नागरिक को एक मंच प्रदान करना चाहते हैं. जिससे बातचीत के द्वारा हल ढूंढे जा सकें. पर्यावरण मित्र जनता के द्वारा, जनता के लिए ही तो है जिसका उद्देश्य है लोगों को सजग करना तथा ज़िम्मेदारी का अहसास दिलाना.

इसके बाद उन्होंने एक दिलचस्प दृश्य-श्रव्य प्रस्तृति की जिसके द्वारा दर्शकों को पता चला कि पर्यावरण मित्र की स्थापना के बाद पिछले एक वर्ष के दौरान क्या-क्या गतिविधियां हुई !

डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर श्री चंद्रकांत रोकड़े ने अपने मुख्य भाषण में सुश्री किरण बजाज के उत्साह तथा भावना के साथ ही साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए उनके कार्यों की भरपूर सराहना की. उन्होंने ध्यान दिलाया कि, ''यह सब पाने के लिए हमें बहुत कुछ करना होगा तथा बहुत कुछ बदलना भी होगा. भारत समेत सारा विश्व 'सूखा' अथवा 'बाढ़' की विषम स्थिति का शिकार है, भयंकर गर्मी से लेकर भयंकर ठंड, तथा बदलती ऋतुओं के चक्र भी सबके सामने हैं. यदि प्रकृति की भयंकरता को ठीक करने के लिए तुरंत ही सही कदम न उठाए गए तो प्रलयकारी स्थिति भी आ सकती है.''

First Anniversary Celebrations in Bajaj Electricals' Paryavaran Mitra Parivars

With great commitment and dedication, Bajaj Electricals' Paryavaran Mitra Parivars observed its first anniversary all over the country. Following activities were taken up:

- Core Committees formed to closely coordinate and monitor various projects undertaken from time to time.
- PowerPoint presentation covering the various activities conducted & discussions held.
- Membership enrollment drive.
- Plantation of trees wherever feasible.
- Pune, Wardha, Noida, Bhubaneshwar, Raipur and Lucknow Parivars resolved that their families would carry non-plastic bags for their daily shopping and distribute jute bags.
- Pune hired a PUC Van for an hour and did free PUC of vehicles as a token of their commitment for cleaner environment.
- Wardha and Bangalore Parivars organized Drawing and Painting Competition on the environment for children of various age groups.
- Patna organized a road show with banners and placards which was covered by PTN and Star News. This culminated into a meeting addressed by Shri Rajiv Mishra. Assistant Producer ETV and Shri Vikas Kumar Jha, Senior Editor, Rashtriya Prasang.

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के पर्यावरण मित्र परिवारों में प्रथम वर्षगांठ समारोह

अत्यंत निष्ठा तथा समर्पण की भावना के साथ बजाज इलेक्ट्रिकल्स पर्यावरण मित्र परिवारों ने देश भर में पहली वर्षगांठ को धूमधाम से निम्नलिखित गतिविधियों के साथ मनाया :

- समय–समय पर अपनाई जाने वाली विविध परियोजनाओं के साथ करीब से ताल–मेल तथा निगरानी रखने के लिए मूल कमेटियां बनाई गई.
- विविध गतिविधियों के दौरान हुए कामकाज तथा विचार विमर्श को दिखाने के लिए दृश्य–श्रव्य प्रस्तुति.
- सदस्यता अभियान.
- संभावित जगहों पर वृक्षारोपण.
- पुणे, वर्धा, नोयडा, भुवनेश्वर, रायपुर तथा लखनऊ परिवारों ने तय किया कि उनके परिवार रोज़ की खरीदारी के लिए प्लास्टिक थैलों का प्रयोग नहीं करेंगे. इसके लिए जूट के थैलों का वितरण किया गया.
- पुणे में एक घंटे के लिए एक पी. यू. सी. वैन किराए पर ली गई और प्रदूषण निरोध के प्रति अपनी निष्ठा के प्रतीक स्वरूप वाहनों की मुफ़्त पी यू सी की गई.
- वर्धा और बंगलौर परिवारों ने विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों के लिए पर्यावरण पर चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कीं.
- पटना में बैनर तथा प्लेकार्ड्स के साथ एक रोड शो आयोजित किया गया जिसे 'पीटीएन' तथा 'स्टार न्यूज़' ने प्रसारित किया. इसका समापन एक सभा में हुआ जिसे 'ईटीवी' के सहायक निर्माता श्री राजीव मिश्र और 'राष्ट्रीय प्रसंग' के मुख्य सम्पादक श्री विकास कुमार झा ने संबोधित किया.

First Anniversary Celebrations at Shikohabad

A number of programmes were organized at different places in and around Shikohabad:

Environment Awareness and Tree Plantation:

Tree plantation on a large scale was taken up in villages Roopaspur, Adampur and Indumai, where children of child labour schools enthusiastically participated.

The children also staged programmes like solo and group folk songs. Large number of villagers were present. Shri O P Khanduri in his address exhorted the people to preserve and save the environment for their own benefit and that of future generations.

वृक्ष लगाकर पुण्य कमाओ,
जीव जंतुओं की जान बचाओ

Environmental Song is being presented by Children of Child Labour School, Adampur.
बालश्रमिक विद्यालय अदमपुर में पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर स्वागत गीत गाते बालश्रमिक विद्यालय के विद्यार्थी.

Tree Plantation by Dr. O.P. Singh & Dr. Rajani Yadav at Hind Parisar.
हिन्द परिसर में वृक्षारोपण करते डा० ओ०पी० सिंह एवं डा० रजनी यादव. साथ में श्री ओ०पी० खण्डूड़ी श्री एस०एस० भाटिया.

शिकोहाबाद में पहली वर्षगांठ पर समारोह

शिकोहाबाद और उसके आस–पास तरह–तरह के समारोह आयोजित किए गए:

पर्यावरण जानकारी तथा वृक्षारोपण

रूपसपुर, आदमपुर तथा इन्दुमई नामक गांवों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें बाल–श्रम विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. बच्चों ने एकल तथा सामूहिक लोकगीतों जैसे कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए. ग्रामवासी भारी तादाद में आए हुए थे. श्री ओ.पी. खंडूरी ने अपने भाषण में लोगों को अपने तथा अपनी भावी पीढ़ियों के भले के लिए पर्यावरण की संभाल तथा सुरक्षा के बारे में आगाह किया.

Tree Plantation at Adampur.
अदमपुर में वृक्षारोपण करते ग्रामीण एवं शिक्षक गण.

Cleanliness Drive

The N.C.C. Cadets took up cleanliness drive in and around the District Hospital at Shikohabad. Major (Dr.) J.P. Singh, the Hospital staff, Dr. Rajani Yadav and other members of Paryavaran Mitra were present.

The Cadets also volunteered to clean Bateshwar, its bathing ghats and the surrounding area. They visited the model village Brahmabad for door-to-door campaigning about environmental awareness.

Addressing the N.C.C. Cadets, Dr. O.P. Singh, Principal, Paliwal Degree College invited the students to be more vigilant towards their social duties particularly the environment and cleanliness.

Cleaning activity at Bateshwar by N.C.C. Cadets.
पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस पर बटेश्वर में मन्दिर परिसर की सफाई करते एन0सी0सी0 कैडेट्स.

Environmental Awareness canvassing by N.C.C. Cadets at Brahmabad.
ग्राम ब्रह्माबाद में ग्रामीणों को जागरुक करते एन0सी0सी0 कैडेट्स.

सफाई अभियान

एन.सी.सी. के कैडेट्स ने शिकोहाबाद के ज़िला अस्पताल तथा उसके आस–पास स्वच्छता की मुहिम चलाई. मेजर (डॉ.) जे. पी. सिंह, अस्पताल के कर्मचारी, डॉ. रजनी यादव तथा पर्यावरण मित्र के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे.

कैडेट्स ने बटेश्वर, इसके स्नान घाटों तथा आसपास के इलाके की सफ़ाई के लिए भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं. आदर्श गांव ब्रह्माबाद में वे घर–घर गए तथा पर्यावरण–जानकारी का अभियान चलाया.

एन.सी.सी. कैडेट्स को संबोधित करते हुए पालीवाल डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ओ. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारियों, विशेषत: पर्यावरण तथा सफाई के प्रति और भी जागरूक रहने का आव्हान किया.

Environmental Education Symposium

Organized in Paliwal Degree College, the symposium was addressed by Dr. R.C. Gupta, Dr. O.P. Singh and Dr. Subodh Dubey. The speakers traced the history of environmental problems and efforts being made towards solving the same. They chalked out a future plan for local people and for themselves, which includes discouraging the use of polythene, spreading of environmental awareness, campaign for anti tobacco in all forms, water conservation, and prevention all kinds of pollution.

Environmental Education Symposium at Pali Degree College.
पालीवाल डिग्री कालेज में पर्यावरण शिक्षा संगोष्ठी.

पर्यावरण शिक्षा संगोष्ठी

इस संगोष्ठी का आयोजन पालीवाल डिग्री कॉलेज में किया गया. संगोष्ठी को डॉ. आर.सी. गुप्ता, डॉ. ओ.पी. सिंह तथा डॉ. सुबोध दुबे ने संबोधित किया. वक्ताओं ने पर्यावरणीय समस्याओं के इतिहास तथा उसके समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में प्रकाश डाला. उन्होंने स्थानीय निवासियों तथा स्वयं अपने लिए भी भविष्य को लेकर एक योजना का ख़ाका प्रस्तुत किया जिसके अंतर्गत पॉलिथिन के प्रयोग का बहिष्कार, पर्यावरण जागृति को बढ़ावा तथा तंबाकू सेवन पर रोक के लिए अभियान, जल–संरक्षण तथा हर प्रकार के प्रदूषण से बचाव आदि मुद्दे शामिल थे.

Felicitations

People including gardeners and sweepers connected with environmental cleanliness and hygiene work were felicitated and presented with Shawls by Shri Hari Lal, Sub Divisional Magistrate (S.D.M.), Shikohabad and other members of Paryavaran Mitra. He praised the activities of Paryavaran Mitra and offered their full support in its endeavours.

Dedicated worker of Paryavaran Mitra are being felicitated.
कामगारों का स्वागत करते पर्यावरण मित्र कार्यकारिणी के सदस्य.

अभिनंदन

सफाई कर्मचारी, मालियों सहित पर्यावरणीय स्वच्छता तथा स्वास्थ्य कार्यों से जुड़े लोगों का सत्कार किया गया. श्री हरी लाल, सब डिवीज़नल मजिस्ट्रेट (एस.डी.एम), शिकोहाबाद तथा पर्यावरण मित्र के अन्य सदस्यों ने उन्हें शाल भेंट किए. श्री हरी लाल ने पर्यावरण मित्र की गतिविधियों की सराहना की तथा इस तरह के प्रयासों में अपना संपूर्ण सहयोग देने का विश्वास दिलाया.

"I think the environment should be put in the category of our national security. Defense of our resources is just as important as defense abroad. Otherwise what is there to defend?"

-*Robert Redford*

Educational Institutions Join Paryavaran Mitra in Foundation Day Celebrations

Environmental Debate competition was held in Shiksha Prakashalya, Sumit Shikshan Sansthan, Pali Inter College and Gyan Deep Public School.

Environmental Essay competition was organised in Little Lamps School, Desent Public School, Shri Jhhau Lal Inter College, Puratan Saraswati Vidya Mandir, Raj Convent School, Young Scholar Academy and Gyan Deep Public School.

Environmental Poster competition attracted large participation form the students of Shiksha Prakashalaya, Young Scholar Academy, Rashtriya Vidyalaya, New Gardenia Public School, Maa Durga Shikhshan Sansthan, Pali Inter College and A.K. Inter College Shikohabad.

Dance performance by the students of Gyandeep based on environment.
पर्यावरण पर आधारित वृंद-नृत्य प्रस्तुत करते ज्ञानदीप के बच्चे।

Environmental Drawing competition was held in Shiksha Prakashalaya, Hind Parisar and Gyan Deep Public School.

Environmental Poetry competition invoked good response from the students of Young Scholar Academy, A.K. Inter College, Raj Convent School, Rashtriya Vidyalaya, New Gardenia Public School, and Pali Inter College.

Environmental Quiz Competition, held in Vivekanand Vidyapeeth Awasiya Vidyalaya, Madhavganj was a great success.

Environmental Skit Competition held in Raj Convent Public School kept the audience spellbound.

स्थापना दिवस समारोहों से शिक्षा संस्थान भी जुड़े

शिक्षा प्रकाशालय, सुमीत शिक्षण संस्थान, पाली इंटर कॉलेज तथा ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में 'पर्यावरण वादविवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया.

लिटिल लैंप्स स्कूल, डीसैन्ट पब्लिक स्कूल, श्री झाऊ लाल इंटर कॉलेज, पुरातन सरस्वती विद्या मंदिर, राज कॉन्वेंट स्कूल, यंग स्कॉलर एकेडेमी तथा ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में **'पर्यावरण निबंध प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया.

'पर्यावरण पोस्टर प्रतियोगिता' में शिक्षा प्रकाशनालय, यंग स्कॉलर एकेडेमी, राष्ट्रीय विद्यालय, न्यू गार्डेनिया पब्लिक स्कूल, मां दुर्गा शिक्षण संस्थान, पाली इंटर कॉलेज तथा ए.के. इंटर कॉलेज, शिकोहाबाद के छात्रों ने भारी संख्या में भाग लिया.

'पर्यावरण चित्रकला प्रतियोगिता' भी शिक्षा प्रकाशनालय हिन्दी परिसर तथा ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई.

'पर्यावरणीय कविता प्रतियोगिता' में यंग स्कॉलर एकेडेमी, ए.के. इंटर कॉलेज, राज कॉन्वेंट स्कूल, राष्ट्रीय विद्यालय, न्यू गार्डेनिया पब्लिक स्कूल तथा पाली इंटर कॉलेज के छात्रों ने में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया.

माधवगंज के विवेकानन्द विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में आयोजित **'पर्यावरणीय क्विज़ प्रतियोगिता'** बेहद सफल रही.

राज कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल में आयोजित **'पर्यावरणीय प्रहसन प्रतियोगिता'** ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा.

Corporate Social Responsibility

Reaffirming its commitment to corporate social responsibility, Hind Lamps and its Kosi Unit and other Paryavaran Mitra Pariwars institutionalized various environment oriented practices:

- Hind Lamps has set up various Bio-fertilizer Pits by utilizing the available skill in the institution. Training to farming community is a major step in this direction. Now farmers have joined hands with Paryavaran Mitra.
- Hind Lamps has established a nursery with variety of saplings plants. Plants are freely distributed to the farming and non-farming community of the area which is helping in achieving a greener environment.
- Creation of small nurseries has been undertaken at various Bajaj Electricals offices making available saplings of plants to members is in full swing.
- Regular meetings, conference, seminars are organized with groups of students in Hind Lamps Parisar.
- Awareness meetings, campaigns on environment and cleanliness drive are the regular activities undertaken by various Bajaj Electricals Paryavaran Mitra Parivars.

व्यावसाय कासामाजिक उत्तरदायित्व

व्यापार के सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी आस्था को रेखांकित करते हुए हिन्द लैम्प्स और कोसी यूनिट तथा दूसरे पर्यावरण मित्र परिवारों ने विविध पर्यावरणीय कार्यकलापों को संस्थागत बनाया :

- हिन्द लैम्प्स ने अपने संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का ही उपयोग करके विविध बायो फ़र्टिलाइज़र पिट्स स्थापित किए. इस दिशा में किसान समुदाय को प्रशिक्षण देना, एक ख़ास कदम रहा. अब किसानों ने पर्यावरण मित्र के साथ अपने संबंध बना लिए हैं.
- हिन्द लैम्प्स ने विविध प्रकार की पौध के साथ एक नर्सरी खोली है जिसमें से इस इलाके के खेती करनेवाले या न करनेवाले, किसी भी समुदाय के लोगों को पौधें मुफ़्त में बांटी जाती हैं. इससे हरा-भरा वातावरण बनाने में काफ़ी मदद मिल रही है.
- बजाज इलेक्ट्रिकल्स के कार्यालयों में छोटी-छोटी नर्सरी बनाने का काम प्रारंभ किया गया है जिसके कारण इसके सदस्यों को पौधे वितरित करने की प्रक्रिया ज़ोरों से चल रही है.
- हिन्द लैम्प्स परिसर में विद्यार्थी वर्गों के साथ मिलकर नियमित बैठकें, कॉन्फ्रेंस तथा सेमिनार आयोजित की जाती हैं.
- बजाज इलेक्ट्रिकल्स पर्यावरण मित्र के विविध परिवारों द्वारा जागृति बैठकें, पर्यावरण तथा स्वच्छता कार्यों के लिए अभियान आदि अब नियमित गतिविधियां हो गई है.

- Educative slide presentation on air, water, land and noise pollution made in Noida Parivar.
- The Hind Lamps has adopted Environment friendly methods for disposal and utilization of kitchen waste by converting it into Bio-fertilizer.
- One compost pit has been constructed in Rajangaon unit of Bajaj Electricals.
- Environment- friendly practices of collecting and disposing off of Polythene, Plastics, Paper and other wastes have been evolved in and around the campus of the factory as a regular activity.
- Use of plastic bags is discouraged and Jute bags have been given for all Bajaj Electricals Paryavaran Mitra Parivars for office use and shopping.
- Hind Lamps regularly monitors the cleanliness inside and around the campus and has evolved a mechanism of environment auditing. However, a lot is proposed to be done in this direction.
- At our Ranjangaon Works 450 trees were planted.

ISO 14001:2004

Ranjangaon works was audited by external auditors and certified to this standard in November 2002 with a validity up to December 2005. The plant has since got reaudited and recertified confirming that the stringent requirements of the ISO 14001 standard are continuously met which include conformance to environment related legal requirements issued by the Ministry of Environment & Forest, Govt. of India.

- नोयडा परिवार में हवा, पानी, मिट्टी तथा ध्वनि प्रदूषण पर शिक्षाप्रद 'स्लाइड प्रेज़ेन्टेशन' किए जाते हैं.
- हिन्द लैम्प्स ने रसोई के कूड़े-कचरे के निस्तारण के लिए पर्यावरण अनुकूल तरीके अपनाए हैं. इसके तहत उसे बायो-खाद में परिवर्तित कर दिया जाता है.
- एक कम्पोस्ट पिट का निर्माण बजाज इलेक्ट्रिकल्स की रांजनगांव यूनिट में किया गया है.
- फैक्टरी के परिसर तथा उसके आसपास पॉलिथिन, प्लास्टिक, काग़ज तथा दूसरे कूड़े-कचरे को इकठ्ठा कर निस्तारित करने के लिए वातावरण अनुकूल विधियां ही अपनाना, एक नियमित गतिविधि हो गई है.
- समस्त बजाज इलेक्ट्रिकल्स पर्यावरण मित्र परिवारों को कार्यालयों में प्रयोग तथा बाजार से ख़रीद के लिए प्लास्टिक थैली के प्रयोग की मनाही करके उन्हें जूट के थैले वितरित कर दिए गए हैं.
- हिन्द लैम्प्स नियमित रूप से परिसर के अन्दर तथा आसपास की सफ़ाई पर निगरानी रखता है और पर्यावरण ऑडिटिंग का एक विशेष तरीका भी विकसित किया गया है. फिर भी इस दिशा में अभी काफ़ी काम करना बाकी है.
- हमारी रांजनगांव यूनिट में ४५० वृक्ष रोपे गए.

आईएसओ १४००१:२००४

रांजनगांव वर्क्स का ऑडिट बाहर के ऑडिटर्स द्वारा किया गया तथा उन्होंने नवम्बर २००२ में इसे मानक के लिए योग्य घोषित किया. दिसम्बर २००५ तक के लिए यह वैधता मान्य थी. उसके बाद इस कारखाने का फिर से ऑडिट करके इस घोषणा के साथ मान्यता प्रमाण पत्र दिया गया है कि इनके द्वारा आईएसओ १४००१ मानक की कठोरतम आवश्यकताओं का लगातार पालन किया गया है तथा इसमें पर्यावरण संबंधी कानूनी अपेक्षाएं, जिन्हें भारत सरकार के पर्यावरण तथा वन मंत्रालय ने जारी किया है उनका पालन भी शामिल है.

ISO 14001:2004 for our vendor- Konark Fixtures

It is very heartening that our vendors are also realizing the community responsibilities. First among those initiating a concrete step is Konark Fixtures Ltd., manufacturers of our Lumanaires. They have just been audited and certified as an ISO 14001 : 2004 company which is valid till January 2009.

हमारे वैन्डर - कोणार्क फ़िक्स्चर्स को आईएसओ १४००१:२००४

बड़ी प्रसन्नता की बात है कि हमारे विक्रेताओं ने भी सामुदायिक ज़िम्मेदारियों को महसूस किया है. इनमें से सबसे पहले जिन्होंने ठोस क़दम उठाया है, वे हैं ल्युमिनायर्स के निर्माता कोणार्क फ़िक्स्चर्स लि. उनका भी अभी-अभी ऑडिट हुआ है तथा उन्हें आईएसओ १४००१:२००४ कंपनी की तरह प्रमाणित किया गया है जिसकी मान्यता जनवरी २००९ तक की है.

Memorable events

Setting up of the 'Chandi Prasad Udyan'

As a Corporate initiative the well known environmentalist Shri Chandi Prasad Bhatt on 28th July 05 dedicated a small forest to the residents of Hind Awasiya Colony meant to be a model for environmental awareness. Shri Bhatt emphasized the holistic philosophy of being in harmony with environment

Shri Chandi Prasad Bhatt being welcomed by Smt. Kiran Bajaj, Dr. Rajni Yadav, Smt. Shanti Yadav & Shri Radheyshyam Yadav.

श्री चंडीप्रसाद भट्ट का स्वागत-श्रीमती किरण बजाज, डॉ. रजनी यादव, श्रीमती शांति यादव एवं श्री राधेश्याम यादव द्वारा.

उल्लेखनीय कार्यक्रम

'चंडीप्रसाद उद्यान' की स्थापना

एक कॉर्पोरेट पहल की तरह, २८ जुलाई २००५ के दिन, विख्यात पर्यावरण विद् श्री चंडीप्रसाद भट्ट ने छोटा-सा जंगल हिन्द आवासीय कॉलोनी के निवासियों को समर्पित किया. यह उद्यान पर्यावरणीय जानकारी के लिए एक आदर्श होगा. श्री भट्ट ने पर्यावरण के साथ सामंजस्य बनाए रखने की संपूर्ण जीवन शैली पर ज़ोर दिया.

Van Mahotsava

A Meeting addressed by Shri Chandi Prasad Bhatt was held on 28th July 2005 in Gyan Deep Public School in Shikohabad. In his address, he traced the history of "CHIPKO" movement and put emphasis on reforestation and plantation of big trees. He exhorted the young generation in particular to visualize the dangers presented by cutting trees and take all possible steps to slow down the degradation of environment.

Shri Bhatt was impressed by the work of Paryavaran Mitra in and out of Shikohabad. He visited a number of villages and observed the contribution made by Paryavaran Mitra.

वन महोत्सव

शिकोहाबाद के ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल में २८ जुलाई २००५ को एक बैठक बुलाई गई जिसे श्री चंडी प्रसाद भट्ट ने संबोधित किया. अपने भाषण में उन्होंने 'चिपको आंदोलन' के बारे में बताया तथा वनों की पुनर्संरचना तथा विशाल वृक्षों की पौध लगाने पर बल दिया. विशेष रूप से उन्होंने नई पीढ़ी का ज़ोरदार आव्हान किया कि वे वृक्षों के कटने से उत्पन्न खतरों की ठीक से कल्पना करें तथा पर्यावरण के घटते हुए स्तर की रोकथाम के लिए यथासंभव सारे कदम उठाएं. श्री भट्ट शिकाहोबाद में तथा उसके आसपास पर्यावरण मित्र के कार्यों से काफ़ी प्रभावित हुए. वह कई गांवों में गए तथा वहां उन्होंने पर्यावरण मित्र द्वारा किए गए कार्यो का जायज़ा लिया.

Dussera with a difference

Paryavaran Mitra gave a new meaning to Dussera Celebrations on 12th October 2005 in the Hind Lamps Parisar by symbolizing the effigies of Ravana, Kumbhakaran and Meghnad as symbols of evil, pollution and filth. Thus, burning of these effigies added a new meaning to the celebrations linking it with environmental concern.

Addressing the gathering, Shri O.P. Khanduri emphasized that the mythological stories and concepts are to be interpreted in a new light. The large gathering present on the occasion was spiritually delighted with the recitation of Ram Charit Manas by Jha Brothers of Darbhanga and a play based on the epic enacted by the children.

Meghanad Symbolizing Filth.
गन्दगी का मेघनाद.

दशहरा एक अलग तरह का

पर्यावरण मित्र ने १२ अक्तूबर, २००५ के दिन हिन्द लैम्प परिसर में दशहरा के त्यौहार को एक नया अर्थ प्रदान किया. उन्होंने रावण, कुम्भकर्ण तथा मेघनाद के पुतलों को बुराई, प्रदूषण तथा गंदगी के प्रतीकों की तरह बनाया. इस तरह पर्यावरणीय हितों के साथ जोड़कर इन पुतलों की दहन क्रिया को एक नया अर्थ मिल गया. वहां पर जमा जन समुदाय को श्री. ओ. पी. खंडूरी ने ज़ोर देकर बताया कि पौराणिक कहानियों तथा संदर्भों को नई रौशनी में समझने की ज़रूरत है. इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमुदाय ने दरभंगा के झा बन्धुओं द्वारा रामचरित मानस के पारायण तथा बच्चों द्वारा प्रस्तुत इसी महाग्रंथ पर आधारित एक नाटिका देखकर आत्मिक आनन्द की प्राप्ति की.

Model Garden

A model garden as an educational aid is proposed with all types of trees, vegetable and fruit plants to teach children how to grow and maintain different fruits and vegetables

आदर्श उद्यान

उद्यानों को शिक्षण के एक साधन की तरह आंक कर एक आदर्श उद्यान बनाने का प्रस्ताव रखा गया जिसमें हर प्रकार के वृक्ष, सब्ज़ियां तथा फलों के पौधे लगाए जाएंगे ताकि बच्चों को बताया जा सके कि विभिन्न फलों तथा सब्ज़ियों के पौधे कैसे लगाए जाएं तथा उनकी देखभाल कैसे हो !

Ongoing projects

Water Conservation

Decentralised Water Management - Remedy for Flood and Drought: Interactive Meeting with Shri Rajendra Singh

Paryavaran Mitra and the Indian Merchants' Chamber, Mumbai jointly organized a function on 5th November 2005 to felicitate Shri Rajendra Singh, recipient of Magsaysay Award and the

Shri Rajendra Singh being felicitated by the President of IMC Shri Rajesh Kapadia

आई.एम.सी. के अध्यक्ष श्री राजेश कापड़िया द्वारा श्री राजेंद्र सिंह का अभिनंदन.

सतत गतिविधियाँ

जल संरक्षण

विकेन्द्रीकृत जल व्यवस्थापन – बाढ़ और अकाल का निदान

श्री राजेन्द्र सिंह के साथ परस्पर प्रभावी बैठक

पर्यावरण मित्र तथा इंडियन मर्चेन्ट्स चैम्बर्स, मुंबई ने मिलकर ५ नवम्बर २००५ को, मैगसेसे पुरस्कार तथा जमनालाल बजाज पुरस्कार विजेता श्री राजेन्द्र सिंह को सम्मानित करने के लिए एक समारोह का

पानी की कहानी

किरण बजाज

जब न होगा पानी
क्या होगी कहानी
न खेत न खलिहानी
न गंगा महारानी।

हमारे देश में होता था
दूध का दूध
और पानी का पानी
वहां न होगा दूध
अन्न और पीने का पानी।

आज स्वच्छ पानी के अभाव में
पीते हैं बंद बोतल का पानी
बड़ी बड़ी बातों में
क्या है आनी जानी।
यहां बूंद-बूंद के लिए चलरही
जमकर खींचा तानी

कहने को सफलता में हमारा
न कोई सानी
पर जब पिलाते हैं विदेशी
हमको हमारा ही पानी
हो जाते हैं शर्म से हम
बिलकुल पानी-पानी।

पर जाने क्या होगा वन्धु
आजादी के नाम पर
खूब चलरही है मनमानी
सरेआम मर रहा
हमारी आंखो का पानी।
न रहेगी कोई राजाप्रजा की कहानी
हां रहेगी सिर्फ लंवी अश्रुजल की
कहानी

Jamanalal Bajaj Award. Smt. Kiran Bajaj, President of Paryavaran Mitra gave the introductory address. Shri Rajesh Kapadia, IMC President felicitated Shri Rajendra Singh.

21An interactive session of Shri Rajendra Singh with the enlightened audience of IMC

श्री राजेंद्र सिंह तथा आई.एम.सी. के प्रबुद्ध श्रोतागण.

Shri Rajendra Singh has made giant strides in decentralized water management. His efforts have brought life to the Arvari river in Rajasthan which had succumbed to the desert. He set up the Tarun Bharat Sangh which revived the age old wisdom of water harvesting by building 'Johads'. This helped recharge underground water sources, raising the level of the water table and enabling the river Arvari to flow again. His success led to more people being converted to his wisdom; his instructions to leave the area around the river untouched were unequivocally obeyed. The region began to bloom into rich grassland with varied flora which also helped prevent soil erosion. The building of a temple on a rock jutting onto the Arvari ensured that none would dare defile and pollute the river.

Shri Rajendra Singh is vehemently opposed to any proposal of privatising India's water sources, stressing that our rivers and lakes are a collective property of the people over which we should never relinquish our claim. He also warned against adopting a “bottled water culture” in India

आयोजन किया. पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष सुश्री किरण बजाज ने प्रारम्भिक भाषण दिया.

आई एम सी के अध्यक्ष श्री राजेश कापड़िया ने श्री राजेन्द्र सिंह का सम्मान किया. श्री राजेन्द्र सिंह ने विकेन्द्रीकृत जल व्यवस्थापन के क्षेत्र में भारी सफलता प्राप्त की है. उनके प्रयासों से राजस्थान की अरवरी नदी जो रेगिस्तान में विलीन हो गई थी, आज फिर से लबालब भर उठी. उन्होंने तरुण भारत संघ की स्थापना की जिन्होंने ‘जोहड़’ बनाकर जल संभरण की सदियों पुरानी बुद्धिमता को फिर से जीवित किया. इससे भूगर्भ जल संसाधनों को पुनर्जिवित होने का अवसर मिला, जल–तालिका का स्तर बढ़ा और अरवरी नदी फिर से बह निकली. उनकी इस सफलता से बहुत सारे लोगों ने इस बुद्धिमानी को अपनाया; उनकी इस सीख का कि ‘नदी के किनारे की भूमि को हरगिज़ न छेड़ा जाय’, हरेक ने बिना कोई प्रश्न उठाए, पालन किया. इस प्रकार वह इलाका सघन घास के मैदान में बदल गया जिसमें तरह–तरह की और भी हरियालियां शामिल थीं. इस काम ने भू–स्खलन रोकने में भी मदद की. अरवरी नदी से सटी हुई एक चट्टान पर मंदिर का निर्माण कर वह इस बात से भी आश्वस्त हो गए कि अब उस नदी को कोई गंदा या प्रदूषित करने की हिम्मत नहीं करेगा.

श्री. राजेन्द्र सिंह भारत के जल संसाधनों के निजीकरण को लेकर किसी भी तरह के प्रस्ताव के कट्टर विरोधी हैं. वह ज़ोर देकर कहते हैं कि हमारी नदियां और झीलें हम लोगों की सामूहिक संपत्ति हैं जिनके पर से हमें अपना अधिकार कभी भी नहीं त्यागना चाहिए. उन्होंने भारत में किसी भी तरह की ‘‘बोतल बंद पानी’’ संस्कृति का विरोध किया.

Rain Water Harvesting: A Major Initiative

Girl students of B.D.M.M. P.G. College took a major initiative towards rain water harvesting by re-digging a ruined pond in village Nagla Bhoop on 22nd January 2006. This has given great relief to the villagers and their cattle.

The NSS girls of B.D.M.M. College doing ‘shramdan’ for water conservation in the village of Nagla Bhoop.

ग्राम नगला भूप में जल संचयन के लिए श्रमदान करती बी.डी.एम.एम. महाविद्यालय की एन.एस.एस. छात्राएं.

वर्षा जल संरक्षण एक महत्वपूर्ण पहल

बी डी एम पी जी कॉलेज की छात्राओं ने २२ जनवरी २००६ को नागला भूप गांव के एक सूखे तालाब को फिर से खोद कर, वर्षा जल संरक्षण को लेकर एक महत्त्वपूर्ण पहल की. इससे गांववालों तथा उनके जानवरों को विशेष राहत मिली है.

Jal - Dasha and Disha

On 11th August 2005, a public meeting was organized on the theme "Jal: Dasha and Disha", at Paliwal Degree College, where Shri Rajendra Singh delivered an inspiring lecture.

Shri Rajendra Singh drew the pathetic picture of existing water crises in villages. He was anguished at the negative role played by the Government and MNCs in exploiting ground water and making the land barren. "Greed has overtaken the need and this must be prevented at any cost. This could only be possible by protecting nature and natural resources", he said.

A Symposium on 'Jal-Dasha & Disha' where Shri Rajendra Singh was the chief guest.

श्री राजेंद्र सिंह की उपस्थिति में 'जल दशा एवं दिशा' पर विचार गोष्ठी.

जल-दशा और दिशा

११ अगस्त, २००५ को, ''जल : दशा और दिशा''नामक विषय पर पालीवाल डिग्री कॉलेज में एक जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें श्री राजेन्द्र सिंह ने प्रेरक भाषण दिया.

उन्होंने गांवों में फैली हुई पानी की समस्या को लेकर बड़ा ही करुण चित्र प्रस्तुत किया. उन्हें सरकार द्वारा अपनाए जा रहे नकारात्मक रवैये से काफ़ी शिकायत थी और एमएनसी संस्थानों द्वारा भूगर्भ जल से छेड़छाड़ करके धरती को बांझ बनाने के उनके दुष्कर्म से बचने की भी उन्होंने चेतावनी दी. उन्होंने बताया, ''आवश्यकता की जगह लालच ने ले ली है और इसे किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए. यह कुदरत तथा कुदरती संसाधनो के संरक्षण द्वारा ही संभव हो सकता है.''

Rain Water Harvesting

Project inaugurated

Rain Water Harvesting Project was inaugurated by Shri Rajendra Singh on 11th August 2005 in Hind Lamps Parisar. Shri Rajendra Singh appreciated the initiatives taken by Paryavaran Mitra and expressed his willingness to extend all possible cooperation in its endeavours.

Launch of Rain Water Harvesting Project by Shri Rajendra Singh in the presence of Smt. Kiran & Shri Shekhar Bajaj, S/Shri B P Singhal, Umashankar Kulsreshth, Harish Gupta, H O Sharma & Vijay Swarup.

वर्षा जल-संचयन प्रकल्प का शुभारंभ करते श्री राजेन्द्र सिंह. साथ में है - श्रीमती किरण व सर्वश्री शेखर बजाज, बी.पी. सिंघल, ओ.पी. खण्डूरी, सुबोध दुबे, उमाशंकर कुलश्रेष्ठ, हरीश गुप्ता, वी.एम. राठी, एच.ओ. शर्मा, एवं विजय स्वरूप.

वर्षा-जल संरक्षण

परियोजना का उद्घाटन

श्री राजेन्द्र सिंह ने ११ अगस्त, २००५ को हिन्द लैम्प्स परिसर में जल संरक्षण परियोजना का उद्घाटन किया. श्री राजेन्द्र सिंह ने पर्यावरण मित्र द्वारा उठाई गई पहलों को सराहा और इसके उद्यमों में यथासंभव सहयोग देने की इच्छा भी जताई.

Tree Plantation

- Tree plantation programme was organized on 15th December 2005 in association with Bank of India. 20 Nerium Odroum trees were planted. Tree- guards were sponsored by Bank of India.
- Wardha Parivar put up 30 trees with guards at the roadsides.
- Chandigarh Parivar planted two Gulmohar Trees opposite our office and kept indoor / outdoor plants in our office premises.

Foundation Day: Tree plantation by Adampur Child Labour School children with Shri O P Khanduri, Shri V M Tyagi, teacher Madhukumari.

बालश्रमिक विद्यालय अदमपुर के बालक श्री ओ.पी. खण्डूरी, श्री. वी.एम. त्यागी, विद्यालय-शिक्षिका मधुकुमारी के साथ वृक्षारोप करते.

वृक्षारोपण

- १५ दिसम्बर, २००५ को, बैंक ऑफ़ इंडिया के वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ. नेरियम ऑड्रोम के २० वृक्ष रोपे गए. बैंक ऑफ़ इंडिया ने ट्री-गार्ड्स प्रायोजित किए.
- वर्धा परिवार ने सड़क के किनारे गार्ड के साथ ३० वृक्ष रोपे.
- चंडीगढ़ परिवार ने कार्यालय के सामने गुलमोहर के दो वृक्ष रोपे. हमारे कार्यालय - परिसर में 'इनडोर'/'आउटडोर' पौधे भी लगाए.

More Trees to come

Planting of 15,000 more trees is proposed in July / August 2006 on road sides, in Schools and Panchayats. Survey is under progress. The trees will be non-fruit bearing but shadow-providing like Neem, Banyan, Pakar, Peepal, Kair etc

Smt. Kiran Bajaj planting tree in the temple garden at Bateshwar

बटेश्वर स्थित मंदिर उद्यान में वृक्षारोपण करती श्रीमती किरण बजाज व अन्य पर्यावरण मित्र.

और भी वृक्ष लगेंगे

जुलाई/अगस्त, २००६ में सड़क के किनारे, स्कूलों और पंचायतो में और भी १५००० वृक्ष रोपने की योजना है. सर्वेक्षण जारी है. वृक्ष फलदार नहीं बल्कि छायादार होंगे, जैसे - नीम, बरगद, पाकड़, पीपल, कैर इत्यादि.

Our Gratitude

We are thankful to all our members and parivars for their valuable contribution and for believing in and following the principles of Paryavaran Mitra.

We also thank the Press and Outdoor media for their valuable support.

आभार

हम अपने सभी सदस्यों और परिवारों को उनके अमूल्य योगदान के लिए तथा पर्यावरण मित्र के सिद्धान्तों में विश्वास रखकर उन पर अमल करने के लिए धन्यवाद देते हैं ! प्रेस तथा एडवर्टाइज़िंग मीडिया को भी उनके प्रभावी सहयोग के लिए हमारा आभार.

Environment Awareness Campaign

On 25th December 2005 Paryavaran Mitra organized “One day awareness campaign” in local villages around Gram Panchayat of Mewali. The students from National Social Service of Narain Degree College took out a rally propagating environment protection by educating the villagers about pollution and the ways of getting rid of it. They also explained to them the benefits of Bio-Fertilizers.

The students undertook voluntary work by repairing the road and cleaning the area around local schools.

Catch them Young

Camps, Debates, Rallies

- A training camp for Girl Scouts and Rangers was organized in B.D.M.M. Girls Post Graduate College from 19th to 23rd December 2005.
- In this camp, Paryavaran Mitra organized a Debate Competition on the subject 'Polluted Environment is a challenge to humanity'.
- All students of Saraswati Shishu Mandir participated in a rally on 26th January 2006 for creating awareness of Environment. They went around the whole city carrying banners, placards and shouting slogans.

Promotional Campaign

Wall paintings in Govardhan, Nandgaon, Barsana in Distt. Mathura, Jasrana in Distt. Etah, Ghiror in Distt. Mainpuri have been undertaken. The total walls covered have increased to 385. This activity will spread in other towns of U.P.

Local newspapers are covering Paryavaran Mitra activities and programmes regularly.

Awareness Campaign against pollution and dirtiness in Mewali, organized with the help of N.S.S. And villagers.

पर्यावरण मित्र की ओर से आयोजित ग्राम मेवली में गंदगी एवं प्रदूषण के खिलाफ जन–जागृति यात्रा में शामिल एन.एस.एस. के स्वयंसेवक तथा ग्रामवासी.

Mr. Suresh Chandra Yadav (Ex. Pradhan, Mewali) expressing his views in a meeting organized by Paryavaran Mitra.

'पर्यावरण बचाओ प्रदूषण भगाओ' रैली के पश्चात् अपने विचार प्रकट करते हुए पूर्व प्रधान सुरेश चन्द्र यादव, मंचासीन डा. सुबोध दुबे, डा. वी.के. सक्सेना, डा. भरतवीर सिंह, एवं शशिकान्त.

Girls N.S.S. Volunteers convincing Rural women about pollution, health, hygiene and sanitation in Mewali.

पर्यावरण मित्र द्वारा ग्राम मेवली में आयोजित जनसम्पर्क अभियान के दौरान छात्राएं ग्रामीण महिलाओं को गंदगी एवं प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में समझाती हुई.

पर्यावरण संरक्षण के उपाय
स्वच्छ जीवन के पर्याय।

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

पर्यावरण जागृति अभियान

२५ दिसम्बर, २००५ को, पर्यावरण मित्र ने मेवली ग्राम पंचायत के आसपास के गांवों में ''एक दिवसीय जागृति अभियान'' का आयोजन किया. नरैन डिग्री कॉलेज के नेशनल सोशल सर्विस विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रचार में एक रैली निकाली जिसमें उन्होंने ग्रामवासियों को प्रदूषण के बारे में प्रशिक्षित किया और उससे छुटकारे की राह समझायी. उन्होंने बायो–खाद के लाभ भी समझाए. छात्रों ने स्थानीय स्कूलों के आसपास की जगहों की सफ़ाई तथा सड़कों की मरम्मत के रूप में स्वंयसेवी कार्य की शुरूआत की.

युवा वर्ग जुड़ा

शिविर, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं, रैलियां

- १९ से २३ दिसम्बर, २००५ तक गर्ल स्काउट्स और रेंजर्स के लिए बी.डी.एम.एम. गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में एक ट्रेनिंग कैम्प लगाया गया.
- इस कैम्प में पर्यावरण मित्र ने ''प्रदूषित वातावरण मानवता के लिए चुनौती है'' विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया.
- २६ ज़ूवरी, २००६ को सरस्वती शिशु मंदिर के सभी छात्रों ने वातावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली में भाग लिया. सभी छात्रों ने, हाथों में बैनर तथा प्लेकार्ड लेकर नारे लगाते हुए पूरे शहर की परिक्रमा की.

प्रचार–प्रसार अभियान

मथुरा ज़िले के गोवर्धन, नन्दगांव, बरसाना; एटा ज़िले के जसराना तथा मैनपुरी ज़िले के घिरौर आदि गांवों में दीवारों पर संदेश लिखने का काम प्रारंभ किया गया है. इन दीवारों की संख्या बढ़कर अब ३८५ तक पहुंच चुकी है. यही प्रक्रिया उत्तर प्रदेश के अन्य गांवों में भी फैलाई जाएगी.

स्थानीय समाचार पत्रों में पर्यावरण मित्र की गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के बारे में निरंतर लिखा जा रहा है.

Environmental Quiz

The winners of the on going “Environmental Quiz.” are as follows:

Quiz No.3 (8th October, 05): Ashu Baijal (I), Puja Upadhyay (II), Anjali Jain (III); Quiz No.4 (20th November, 05): Shradha Thakur (I), Priyanka Gupta and Rolly Kumari (Joint II), Kuldeep Singh and Jeeshan Ahmad (Joint III); Quiz No.5 (23rd January, 05): Ashish Yadav (I), Arvind Mishra (II) Surendra Singh (III).

पर्यावरणीय प्रश्नोत्तरी

लगातार चल रही ''एन्वायरन्मैंटल क्विज़'' के विजेता निम्न प्रकार से हैं : क्विज़ नं.३ (८ अक्टूबर,०५): आशु बैजल (I), पूजा उपाध्याय (II), अंजलि जैन(III); क्विज़ नं.४ (२० नवंबर,०५) : श्रद्धा ठाकुर (I), प्रियंका गुप्ता और रोली कुमारी (संयुक्त II), कुलदीप सिंह और ज़ीशान अहमद (संयुक्त III); क्विज़ नं.५ (२३ जनवरी ०५): आशीष यादव(I), अरविंद मिश्रा (II), सुरेन्द्र सिंह (III).

Anti Tobacco Campaign: No Smoking No Gutkha

Chewing tobacco, spiting and smoking in Hind Lamps Parisar in and around the campus has been prohibited. Counselling has also been made a part of this process.

- Bajaj Electricals has declared their premises all over the country as "no-tobacco" zones.
- Bajaj Electricals Bangalore and Lucknow Parivars held an awareness campaign on the ill effects of tobacco and smoking for its members with a purpose of converting smokers to non-smokers.
- Through the health and anti-pollution drive of 'Quit Smoking', which was initiated by Shri Shekhar Bajaj with the distribution of 'Anti-Cig' tablets (an ayurvedic tablet which kills the urge to smoke), habitual smokers are able to quit or cut down on smoking.
- Under the auspices of Paryavaran Mitra, a rally of N.S.S. volunteers from B.D.M.M. P.G. College, Shikohabad was held on 5th February 2006. The rally culminated in a public meeting at Panchayat Bhawan, Naushara. Chanting slogans and carrying placards against the negative effects of tobacco and smoking, the rally was able to sensitize the general public.

Anti Tobacco Rally: B. D.M.M. Degree College, N.S.S. Students in Naushahra village.

तंबाकू–गुटखा विरोधी रैली: बी.डी.एम.एम. डिग्री कालेज की एन.एस.एस. छात्राओं द्वारा नौशहरा ग्राम में

तम्बाकू विरोधी अभियान : धूम्रपान नहीं – गुटखा नहीं

- हिन्द लैम्प्स के परिसर के भीतर तथा आसपास तम्बाकू खाना, थूकना तथा धूम्रपान कतई मना है. विशेष सलाह देने की भी व्यवस्था है.
- बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने पूरे देश में अपने परिसरों को 'तम्बाकू निषिद्ध' क्षेत्र घोषित कर रखा है.
- बंगलौर तथा लखनऊ के बजाज इलेक्ट्रिकल्स परिवारों ने तम्बाकू तथा धूम्रपान के बुरे परिणामों को ध्यान में रखकर अपने सदस्यों के लिए इस उद्देश्य के साथ एक अभियान चलाया कि सिगरेट पीने वाले यह हानिकारक आदत छोड़ दें.
- 'धूम्रपान त्यागो' नामक स्वास्थ्य हेतु तथा प्रदूषण विरोधी अभियान के तहत श्री शेखर बजाज ने 'एन्टी सिग' गोलियों (एक आयुर्वेदिक गोली जो धूम्रपान की इच्छा को मारती है) के वितरण द्वारा धूम्रपान के आदी लोगों की सहायता की जिससे उनकी धूम्रपान करने की इच्छा में कमी आए.
- पर्यावरण मित्र के तत्वावधान में शिकोहाबाद के बी.डी.एम.पी.जी. कॉलेज के एन.एस.एस. स्वयंसेवियों ने ५ फरवरी, २००६ को एक रैली निकाली. यह रैली नौशहरा के पंचायत भवन पर एक आम सभा में परिवर्तित हो गई. नारे लगाते हुए तथा तम्बाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभावों को दर्शाते प्लैकार्ड हाथों में दिखाते हुए यह रैली आम जनता में जागरूकता फैलाने में सफल रही.

Promotion of Bio-Fertilizer

To encourage organic farming in local village, a vigorous campaign is on since October 2005. As a result of this demonstration pits have been made in Bateshwar, Nagla Chanda, Nagla Bhoop, Chhatanpura and Laachhpur. In Hind Parisar, earthen pot compost is prepared from cow dung and cow urine.

Vermi compost pit prepared in Chhatanpura.

ग्राम छतनपुरा में निर्मित किया जा रहा वर्मीकम्पोस्ट

बायो–खाद का प्रसार

स्थानीय गांवों में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए अक्तूबर, २००५ से एक धुंआधार अभियान चलाया जा रहा है. परिणामस्वरूप बटेश्वर, नागला चंदा, नागला भूप, छत्तनपुरा तथा लाछपुर में डिमॉन्स्ट्रेशन गड्ढे बनाए गए हैं. हिन्द परिसर में गो मूत्र तथा गो–गोबर से मिट्टी के बर्तनो में कम्पोस्ट खाद बनाई जाती है.

Membership Drive

Membership of Paryavaran Mitra is increasing. The total number of member till the publication of this newsletter is 1309 with 4 Honorary Life Members, 19 Life Members, 49 Patron Members and 1237 Ordinary Members.

All existing members are requested to renew their membership.

Earthen pot compost prepared by Paryavaran Mitra in Hind Lamps Parisar.

हिन्द परिसर स्थित जैविक खाद निर्माण प्रकल्प में निर्मित किया जा रहा मटका खाद.

सदस्यता अभियान

पर्यावरण मित्र की सदस्यता बढ़ रही है. इस न्यूज़लैटर के प्रकाशित होने तक कुल सदस्यों की संख्या १३०९ तक पहुंच चुकी है. इनमें ४ मानद आजीवन सदस्य. १९ आजीवन सदस्य, ५० संरक्षक सदस्य तथा १२३७ सामान्य सदस्य शामिल हैं.

सभी वर्तमान सदस्यों से निवेदन है कि अपनी सदस्यता का पुनर्नवीनीकरण करा लें (सदस्यता फ़ार्म संलग्न है).

No to Bouquets

Presentation of Potted small indoor plants instead of cut flowers and garlands has become a regular practice in Hind Lamps, its Kosi unit and in all Bajaj Electricals Paryavaran Mitra Parivars.

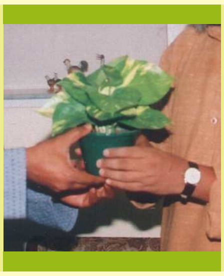

गुलदस्तों के लिए 'ना'

हिन्द लैम्प्स, इसकी कोसी यूनिट तथा सभी बजाज इलेक्ट्रिकल्स पर्यावरण मित्र परिवारों में छोटे 'इनडोर' पौधों के गमले भेंट करना एक नियमित परंपरा बन गई है. तोड़े हुए फूल तथा मालाओं का चलन अब नहीं रहा.

Other enthusiastic efforts

Non-Conventional Energy: Need of The Hour

In its efforts to sensitize the masses and younger generation regarding the non-conventional sources of energy, a talk was organized in Gyan Deep Public Senior Secondary School by Paryavaran Mitra in association with Non-conventional Energy Development Agency (NEDA) on 21st January, 2006.

An exhibition and live demonstration of alternate sources of energy was a part of this event. The meeting, widely attended by youngsters, public and activists was addressed by District Development Officer Shri Tikaram, NEDA project officer Shri Bharat Bhushan, Secretary of Paryavaran Mitra Dr. Subodh Dubey and other experts. Director of the College Dr. Rajani Yadav expressed the need for immediate attention towards devising alternate energy strategies.

अन्य उत्साहवर्धक कार्यक्रम

ग़ैर–पारम्परिक ऊर्जा:समय की मांग

आम जनता तथा नई पीढ़ी को ग़ैर–पारम्परिक ऊर्जा के स्रोतों के बारे में जागरूक करने के लिए ज्ञान दीप पब्लिक सीनियर सैकेन्डरी स्कूल में पर्यावरण मित्र ने नॉन–कन्वैन्शनल एनर्जी डेवेलपमैंट एजेन्सी (एनईडीए) के साथ मिलकर, २१ जनवरी, २००६ को एक वार्ता आयोजित की. एक प्रदर्शनी तथा ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों का 'लाइव डिमॉन्सट्रेशन' भी इस आयोजन का एक हिस्सा था. इस आयोजन में युवावर्ग / आमजनता तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया. ज़िला विकास अधिकारी श्री टीकाराम, एनईडीए परियोजना अधिकारी श्री भारतभूषण, डॉ. सुबोध दुबे तथा अन्य विशेषज्ञों ने इस सभा को संबोधित किया. कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. रजनी यादव ने वैकल्पिक ऊर्जा के बारे में योजना बनाने की आवश्यकता पर तुरंत ध्यान देने की बात कही.

Sahyatra- Collaboration with other NGOs

Paryavaran Mitra has taken yet another initiative in enlisting the support of the N.G.O.s working in Distt. Firozabad. The first meeting was organized on 24th January 2006 under the banner of "Sahyatra" where 20 representative of 15 NGOs participated. Information was shared and all of them promised to hold joint meetings on regular basis in future and to work for a common minimum programme for the protection of environment.

Launch of Website www.paryavaranmitra.com

Among the chanting of shlokas invoking the Gods of nature, on the auspicious occasion of Basant Panchami on 2nd February 2006, the website of 'Paryavaran Mitra' was launched at the hands of Smt Kiran Bajaj. Shri Pratap Gharge presented the contents of the website.

Smt. Kiran Bajaj then spoke passionately about the small things that we can do to maintain of our surroundings clean and green. She also urged every one present to contribute to this cause in their own way.

'Sahyatra' : Representation of the NGO's of Ferozabad Distt. Pooling ideas together

'सहयात्रा' : फिरोज़ाबाद जिले के स्वयंसेवी संगठनों के सहयात्री.

Paryavaran Mitra website launched: Smt. Kiran Bajaj, Shri Pratap Gharge, Nandlal Pathak, Mukul Upadhyaya, Shekhar & Anant Bajaj

'पर्यावरण मित्र' की वेबसाइट प्रारंभ: मंत्रोच्चार के बीच श्रीमती किरण बजाज, सर्वश्री प्रताप घारगे, नंदलाल पाठक, मुकुल उपाध्याय, शेखर व अनंत बजाज.

Smt. Kiran Bajaj pressing the key for the website.

श्रीमती किरण बजाज कंप्यूटर का बटन दबाते हुए.

सहयात्रा– अन्य ग़ैर सरकारी संस्थानों के साथ गठबंधन

पर्यावरण मित्र ने ज़िला फ़िरोज़ाबाद में कार्यरत ग़ैर सरकारी संस्थानों के सहयोग की मांग करके एक और पहल की है. इस बारे में पहली मीटिंग २४ जनवरी २००६ को ''सहयात्रा'' के अंतर्गत की गई जिसमें १५ ग़ैर सरकारी संस्थानों के २० प्रतिनिधियों ने भाग लिया. सूचनाओं का आदान–प्रदान हुआ तथा सबने विश्वास दिलाया कि भविष्य में नियमित रूप से संयुक्त बैठकें कर पर्यावरण के संरक्षण हेतु एक सम्मिलित न्यूनतम कार्यक्रम के तहत कार्य करेंगे.

वेबसाइट प्रारंभ

२ फ़रवरी २००६ को बसंत पंचमी के पुनीत अवसर पर प्रकृति–देवों की स्तुति में श्लोक ध्वनि के बीच, ''पर्यावरण मित्र'' की वेबसाइट का श्री गणेश श्रीमती किरण बजाज द्वारा हुआ. श्री प्रताप घार्गे ने पर्यावरण मित्र की गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तृति की तथा वेबसाइट में समाहित जानकारियों को भी प्रस्तुत किया. श्रीमती किरण बजाज ने उत्साह से बताया कि किस तरह हम अपने आसपास के वातावरण को साफ़ तथा हराभरा बनाए रखने में छोटी–छोटी बातों से अपना योगदान दे सकते हैं. उनकी पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन की भावना को हरेक ने सराहा. उन्होंने वहां पर उपस्थित हरेक व्यक्ति को इस उद्देश्य के लिए अपने–अपने तरीके से योगदान देने की विनती भी की.

Paryavaran Mitra, Dr. Subodh Dubey, Hind Lamps Parisar, Shikohabad-205141 Phone: (05676) 238797, 9837885143
E-mail: hindlamps@sify.com
Mumbai Unit: Paryavaran Mitra, Ruben Devdas, Bajaj Electricals Limited, M.G. Road, Mumbai-400023 Phone: (022) 22043733
E-mail: paryavaran_mitra@bajajelectricals.com
Website: www.paryavaranmitra.com

पर्यावरण मित्र : डा. सुबोध दुबे, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद–२०५१४१, फ़ोन : (०५६७६) २३४५०१-५०३, २३४४००
ई–मेल hindlamps@sify.com
मुंबई इकाई : पर्यावरण मित्र : रूबेन देवदास, बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, एम.जी. रोड, मुंबई–४०० ०२३. फ़ोन : (०२२) २२०४३७३३
ई–मेल: paryavarn_mitra@bajajelectricals.com
वेबसाईट: www.paryavaranmitra.com